सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम

4066. **डा० वाई० लक्ष्मी प्रसाद:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा चलाये गये सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम क्या है;

(ख) क्या इन विद्यालयों में त्रिभाषा सूत्र का कार्यान्वयन किया जा रहा है;

(ग) उत्तर भारत के विद्यालयों में दक्षिण भारतीय भाषाओं के पठन-पाठन के लिए किस प्रकार के प्रबंध किये गये हैं; और

(घ) इन विद्यालयों में मातृभाषा के अतिरिक्त और कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, तथा ये भाषायें किस कक्षा से आरंभ की जाती हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार कोई सर्वोदय विद्यालय नहीं चलाता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चल रहे सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम बच्चे की मातृभाषा या बच्चे के माता-पिता अथवा अभिभावक द्वारा अपेक्षित कोई अन्य भाषा होगी।

(ख) जी, हां।

(ग) शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में मांग होने पर दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था की जाती है।

(घ) औपचारिक शिक्षा की शुरूआत से ही पढ़ाई जाने वाली अन्य भाषाएं हैं—हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, पंजाबी, उर्दू या मातृभाषा से भिन्न अन्य भाषा।

पुरूषोत्तम एक्सप्रेस का बरास्ता बोकारो पथांतरण

4067. **श्री गया सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पुरी और दिल्ली के बीच चलने वाली पुरूषोत्तम एक्सप्रेस बंगाल के पुरुलिया स्टेशन को पार करने के बाद विभिन्न महत्वहीन मार्गों से होते हुए बरास्ता गोमो सीधे दिल्ली पहुंचती है, जिसके परिणामस्वरूप देश के एक महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर, बोकारो के लोग इस रेल गाड़ी की सेवा से वंचित हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या उनका मंत्रालय उक्त वर्णित रेल गाड़ी को बरास्ता बोकारो चलाने के लिए कोई कार्यवाही करेगा; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) जी नहीं, पुरुलिया स्टेशन के बाद, पुरूषोत्तम एक्सप्रेस गमोह, गया, मुगलसराय, इलाहाबाद, कानपुर से होकर गुजरती है जो दिल्ली के मार्ग के सभी महत्वपूर्ण स्टेशन हैं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Provision of Additional Platforms at Nagpur Station

4068. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to provide two additional platforms at Nagpur Railway Station in Maharashtra in view of great public demand; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) Provision of additional platforms, viz. Platform Nos. 8 & 9, is included in the Master Plan prepaed for Nagpur Station, which is being implemented in a phased manner.

This work will be taken up, alongwith the other items included in the Master Plan, in the coming years.

हिसार में फतेहाबाद तक रेल लाइन बिछाया जाना

4069. **श्री रामजीलाल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार को हिसार से फतेहाबाद-सिरसा तक रेल लाइन बिछाने के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य अब तक आरंभ कर दिया गया है; और

(ग) यदि नहीं, तो यह सर्वेक्षण कार्य कब तक आरंभ किया जायेगा?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) जी हां।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

New Railway Lines for Uttarakhand

4070. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to provide more new railway lines in Uttarakhand region of U.P.;

(b) if so, the details thereof;

(c) if not, the reasons therefor;

(d) whether any survey has been conducted to extend railway line upto Mohan, District Nainital; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) The following surveys have been taken up in the Uttarakhand region:—

(i) Rishikesh-Dehradun (30 Kms.)
(ii) Haridwar-Ramnagar Via Kotdwar (125 Kms.)
(iii) Dehradun-Saharanpur

Extraction of Timber

4071. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) the total quantity of timber i.e. soft wood, superior hardwood, standard and ornamental wood extracted by Forest Departments and Forest Corporations during the last three years, year-wise;

(b) the position of disposal of such extracted timber and the present balance, year-wise; and

(c) the quantity of loss of timber extracted by Forest Departments and Forest Corporations, year-wise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (CAPT. JAI NARAYAN PRASAD NISHAD): (a) to (c) The information is being collected and would be placed on the Table of the House.

Entry Fee for Konark Temple

4072. SHRI K.M. KHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether any entry fee for visiting the famous Sun Temple in Konark (Orrisa) has been prescribed;

(b) whether the Sun Temple has been listed as a world heritage monument;

(c) if so, the details thereof with background for such a move;

(d) whether a similar entry fee has been prescribed for other important Centrally-protected monuments in the country; and

(e) if so, the details thereof alongwith the objectives to be achieved by such a move?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): (a) Yes Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The Sun Temple at Konark is a unique monument of the country and to regulate the entry of the visitors entrance fee has been prescribed.

(d) Yes, Sir.

(e) Out of the 14 monuments included in the World Heritage List where entry fees have been prescribed, fees are required for entry into 58 other important monuments also. (Statement enclosed) (*see* below). The objective in imposing this fee is to regulate the flow of visitors, & to discourage anti-social elements from entering its precincts unchecked.